prima manu. °रतः संमा° B sec. manu. C. M. See पा° ८. १. ६३. - ११ °द्ववेदिति Sây. - २० °दाय प्राुदाद्रवति M. °दाद्र्‌रति coni. °त्यन्नी नात्तरेति M apogr. - २५ रसस्यो वैव I. B prima m. - २. ७ °भृति चतुर्ध्रुवायाम् coni. - ३. ३ प्रयहंति M. B. C. °ह्ति I. - ११ पूर्वार्धा वै M apogr. - ५. १२ स ते Sây. against the accent, for the mspts have ह्वैव, not ह्वैव; सते is Datif Part. Praes. — अध्या° ४. ब्रा° १. क° १०. विद्ग्य° M. माधव° Sây. - १३ निष्यिँदे M apogr. - १४ सदानीरेत्युत्तरेनं निर्धारयति Sây.! - २१ जिगाछसति M apogr. °घांसति Sây. - २५ °तिर्व्वृणा° M. B. C sec. manu. = र्घृ? - २६ इडे° M apogr. ईडेन्य° Sây. see ४. ३. ५. - ३३ तृच° Sây. त्रिच° MBC. - ३५ सुक्रतुर्य° BC. M sec. m. सुक्रतुर्य° M prima m. - ३६ °न्धिहं instead of °न्धिङ्हं see ४. ३. १८. - २. १७ °नुच्या C. B. and Sây. - ३. १६ °मुगश्च° M. °मुयश्च° I. B. C. घ is my coniecture. - १८ उध्नाय M. B. C. and Sây. उध्नाय I. उद्ध्माय is my coniecture. द्ध is very often given in the mspts by ध्नः see Benfey p. XLVII. - ४. १३ °ह्रीति and ५. १२ °ह्रि in all the manuscripts: see Benfey p. XXXIV. - ५. ११ the accent allows to consider प्रतिप्रश्नं either as a bahuvrîhi, or as an avyayîbhâva: the latter menning is understood by Sâyana. - १३ वा यस्मिन्वा in all the mspts. Sâyana seems to read वान्यस्मिन्वा. — अध्या° ५. ब्रा° १. क° ६. and २६ अनुच्या C. and Sây. - २० होत्रवर्ये I. - २५ उद्दोषिष्टं has lost the augment after मा, else it should be read उद्दौषिष्टं. - २. १ वेत्र° M. B. C. हौत्र° Sây. - ११ °रात्स वषट्कारेणा° Sây. - ३. ६ वै संक्रा° M apogr. संगतयोः Sây. - ११. Sây. reads जुह्लकं. - १७ मित्र आग° Sây. — अध्या° ६. ब्रा° १. क° १. अत्तर्यात I. - ४ इन्वती M. B. C. - १६ ज्ञयं ज्ञयति M. B. C. The final न् is changed very